



Mr.beena

08 Mar 1962

06:11 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121183004

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 08/03/1962  
दिन \_\_\_\_\_: गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 18:11:45 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 28:44:49 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Alwar  
राज्य \_\_\_\_\_: Rajasthan  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 27:32:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 76:35:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:23:40 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 17:48:05 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:11:00 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 04:51:03 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:41:49 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:27:48 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:45:59 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 24:08:37 कुम्भ  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 21:22:41 सिंह

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: रेवती - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: बुध  
योग \_\_\_\_\_: शुक्ल  
करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: गज  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: सिंह  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: चा-चांदनी  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मीन

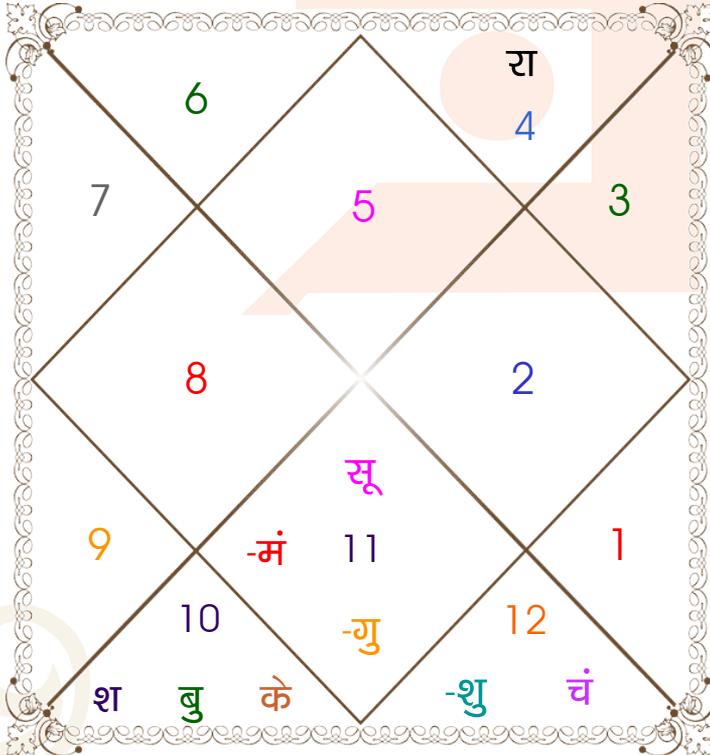
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:22:41	319:06:11	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	24:08:37	01:00:01	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	23:45:19	14:56:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	03:41:22	00:47:06	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			मक	27:35:27	01:12:15	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	02:45:42	00:13:53	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मीन	03:52:58	01:14:47	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			मक	13:57:26	00:06:01	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	स्वराशि
राहु		व	कर्क	24:25:24	00:03:56	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु		व	मक	24:25:24	00:03:56	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष		व	सिंह	04:21:56	00:02:26	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	---
नेप		व	तुला	20:01:27	00:00:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
प्लूटो		व	सिंह	15:18:08	00:01:32	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	20:46:59	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

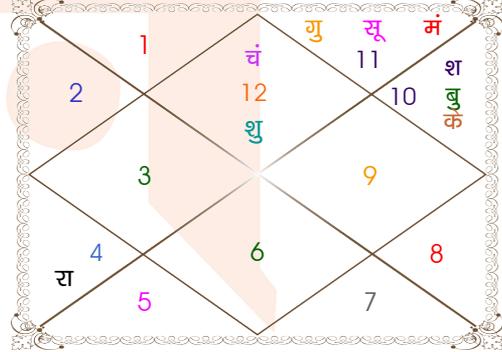
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:32

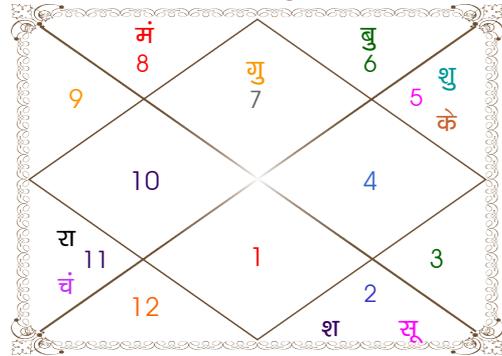
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 11 मास 16 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
08/03/1962	22/02/1970	22/02/1977	22/02/1997	23/02/2003
22/02/1970	22/02/1977	22/02/1997	23/02/2003	22/02/2013
00/00/0000	केतु 21/07/1970	शुक्र 24/06/1980	सूर्य 12/06/1997	चंद्र 24/12/2003
00/00/0000	शुक्र 21/09/1971	सूर्य 24/06/1981	चंद्र 11/12/1997	मंगल 24/07/2004
00/00/0000	सूर्य 26/01/1972	चंद्र 23/02/1983	मंगल 18/04/1998	राहु 23/01/2006
00/00/0000	चंद्र 27/08/1972	मंगल 24/04/1984	राहु 13/03/1999	गुरु 25/05/2007
08/03/1962	मंगल 23/01/1973	राहु 24/04/1987	गुरु 30/12/1999	शनि 23/12/2008
मंगल 21/08/1962	राहु 10/02/1974	गुरु 23/12/1989	शनि 11/12/2000	बुध 25/05/2010
राहु 09/03/1965	गुरु 17/01/1975	शनि 22/02/1993	बुध 18/10/2001	केतु 24/12/2010
गुरु 15/06/1967	शनि 26/02/1976	बुध 24/12/1995	केतु 22/02/2002	शुक्र 23/08/2012
शनि 22/02/1970	बुध 22/02/1977	केतु 22/02/1997	शुक्र 23/02/2003	सूर्य 22/02/2013

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
22/02/2013	23/02/2020	22/02/2038	22/02/2054	22/02/2073
23/02/2020	22/02/2038	22/02/2054	22/02/2073	00/00/0000
मंगल 21/07/2013	राहु 05/11/2022	गुरु 12/04/2040	शनि 25/02/2057	बुध 22/07/2075
राहु 09/08/2014	गुरु 31/03/2025	शनि 24/10/2042	बुध 05/11/2059	केतु 18/07/2076
गुरु 16/07/2015	शनि 05/02/2028	बुध 29/01/2045	केतु 14/12/2060	शुक्र 19/05/2079
शनि 23/08/2016	बुध 24/08/2030	केतु 05/01/2046	शुक्र 14/02/2064	सूर्य 24/03/2080
बुध 21/08/2017	केतु 11/09/2031	शुक्र 05/09/2048	सूर्य 26/01/2065	चंद्र 24/08/2081
केतु 17/01/2018	शुक्र 11/09/2034	सूर्य 24/06/2049	चंद्र 27/08/2066	मंगल 08/03/2082
शुक्र 19/03/2019	सूर्य 06/08/2035	चंद्र 24/10/2050	मंगल 06/10/2067	00/00/0000
सूर्य 25/07/2019	चंद्र 04/02/2037	मंगल 30/09/2051	राहु 12/08/2070	00/00/0000
चंद्र 23/02/2020	मंगल 22/02/2038	राहु 22/02/2054	गुरु 22/02/2073	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 8 वर्ष 0 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उद्देश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियो, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृत्ति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यान्वयन अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यान्वयन समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क हैं। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदतें डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।